Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

॥ ओ३म् ॥

सहारनपुर मंडल के शारीरिक शिक्षा अनुदेशक एवं गैर अनुदेशक जूनियर हाई स्कूल के बच्चों की खेल उपलब्धियां, खेल संसाधन एवं अनुदेशको की कार्य संतुष्टि : एक अध्ययन

शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग

में

पी-एच. डी. उपाधि

हेतु प्रस्तुत शोध-प्रबन्ध

की

संक्षेपिका

शोध निर्देशक

प्रो. आर. के. एस. डागर

शोध छात्र

अनुज कुमार

पञ्जीकरण संख्या- 19073

योग एवं शारीरिक शिक्षा संकाय

गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार (उत्तराखण्ड) - 249404

2023

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सहारनपुर मंडल के शारीरिक शिक्षा अनुदेशक एवं गैर अनुदेशक जूनियर हाई स्कूल के बच्चों की खेल उपलब्धियां, खेल संसाधन एवं अनुदेशको की कार्य संतुष्टि:एक अध्ययन

शारीरिक शिक्षा

शारीरिक शिक्षा; शिक्षा का एक अहम हिस्सा है जो शरीर के विकास और देखभाल के बारे में निर्देश देती है यह मानवता की परिपूर्णता एवं संपूर्णता की शिक्षा है। यह मनुष्य की दैनिक दिनचर्या, जीवन शैली को सरल एवं सुगम बनाने की शिक्षा है। मानव के स्थायित्व की शिक्षा है, शारीरिक शिक्षा वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा गतिविधि एवं अनुभवों के माध्यम से व्यक्ति में परिवर्तन लाया जाता है। शारीरिक शिक्षा का उद्देश्य न केवल शारीरिक विकास करना है, बल्कि शारीरिक गतिविधियों के माध्यम से व्यक्ति का मानसिक विकास भी करना है।

सहारनपुर मंडल में शारीरिक शिक्षा एवं खेल संसाधनों का स्वरूप -

सहारनपुर मंडल के अंतर्गत वर्तमान समय में तीन जिले-सहारनपुर ,मुजफ्फरनगर एवं शामली आते हैं। सहारनपुर मण्डल के 1172 उच्च प्राथमिक विधालयों में से 175 विधालयों में शारीरिक शिक्षा अनुदेशक नियुक्त है। उच्च प्राथमिक स्तर पर बच्चे को खेलों एवं शारीरिक शिक्षा में अग्रणी बनाने की जिम्मेदारी अनुदेशकों की है। खेल संसाधनों को देखा जाए तो हम पाते है कि सहारनपुर मण्डल के जिले सहारनपुर में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है युवा चाहते हैं कि खेलों में नाम रोशन करे, लेकिन सुविधाओं का अभाव उनकी राह में बाधक बन रहा है।

भारत में शारीरिक शिक्षा एवं खेल

भारत वर्ष में हम शारीरिक शिक्षा के विकास की बात करते हैं तो हम पाते हैं कि कभी विश्व गुरु और सोने की चिड़िया कहलाने वाला भारत अपनी ऐतिहासिक पुस्तकों, धर्म ग्रंथों, हड़प्पा, मोहनजोदाड़ो आदि के माध्यम से यह बताने में सक्षम है कि हमारा यह विश्व विख्यात राष्ट्र कभी खेलों की कला में अद्वितीय था।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

विश्व स्तर पर शारीरिक शिक्षा एवं खेलों का स्वरूप

विश्व स्तर की बात की जाये तो प्रतीत होता है कि विश्व में शारीरिक शिक्षा की अवधारणा कोई नई नहीं हैं। विश्व में शारीरिक शिक्षा अलग-अलग ढंग से विकसित हुई प्रत्येक राष्ट्र ने अपने नागरिकों को स्वस्थ बनाऐ रखने के लिए अलग-अलग नियम बनाये जो शैन: शैन: शारीरिक शिक्षा एवं खेलों का स्वरूप बने। वर्तमान वैज्ञानिक शारीरिक शिक्षा के लिए समूचा विश्व ग्रीक (यूनान) का हमेशा ऋणी रहेगा।

भारत एवं विश्व स्तर पर शारीरिक शिक्षा एवं खेलों का विश्लेषण

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शारीरिक शिक्षा एवं खेलों का अध्ययन करने के उपरान्त हम पाते हैं कि शारीरिक स्वस्थता, शारीरिक शिक्षा एवं खेलों के क्षेत्र में जिस प्रकार अन्य राष्ट्रों ने निरन्तर प्रगति की है एवं अपने दैनिक दिनचर्या के अहम पलों में से कुछ पल निकालकर अपने मनोरंजन हेतु, अपने स्वास्थ्य को उत्तम बनाने हेतु, स्वयं को निरोग रखने हेतु, खेलों में आगे बढ़ने हेतु जिस प्रकार से स्वयं आगे बढ़कर शारीरिक शिक्षा एवं खेल-कूद को महत्त्व दिया गया है, उस प्रकार हम भारतीय स्वयं को आगे नहीं बढ़ा पाये हैं।

वर्तमान में शारीरिक शिक्षा एवं खेलों का महत्व

बालक के सर्वांगीण विकास हेतु आवश्यकता है ऐसी शिक्षा प्रणाली की जो समुचित हो और आवश्यकता है ऐसे शिक्षकों की जो कुशल संचलन के माध्यम से शिक्षा एवं शिक्षार्थी को उचित दशा एवं दिशा प्रदान कर सकें। ऐसे में एक मात्र शिक्षा प्रणाली जो सम्पूर्ण विकास करने मे सक्षम है शारीरिक शिक्षा ही उचित विकल्प जान पड़ता है।

भारत की शिक्षा नीतियों मे शारीरिक शिक्षा

शिक्षा के साथ शारीरिक शिक्षा एवं खेल की अनिवार्यता भी रखी गई है।

शारीरिक शिक्षकों का महत्त्व

शारीरिक शिक्षा शिक्षक के कन्धों पर भारत के भविष्य नौनिहालों को सुदृढ, सबल, स्वस्थ ओर खेल के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के साथ -साथ उनके चहुँमुखी विकास की जिम्मेदारी भी होती है।

शारीरिक शिक्षा अनुदेशक

जिन विद्यालयों में छात्रों की संख्या 100 से अधिक थी उन में अनुदेशकों की नियुक्ति के निर्देश वर्ष 2013 में जारी किए गए। अनुदेशकों का वेतनमान ₹ 7000 प्रति माह (11 माह हेतु) निर्धारित किया गया।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

खेल उपलब्धियां

खेलो में उपलब्धि से तात्पर्य क्षमता या प्राप्ति के मापन से है जो प्रगति या एक पूर्ण लक्ष्य को दर्शाता है। खेलो में उपलब्धि एकल या टीम प्रतिभाग, पदक जीतने, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने इत्यादि से ज्ञात होती है।

खेल संसाधन

शारीरिक शिक्षा के लिए खेल के मैदान और स्विमिंग पूल, कक्षा कक्ष तक सुविधाओं की आवश्यकता होती है, कक्षा फर्नीचर, प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय और यहां तक कि हॉल को शारीरिक शिक्षा के लिए आवश्यक सुविधाओं के रूप में स्वीकार किया जाता है।

कार्य संतुष्टि

कार्य संतुष्टि का अर्थ व्यावसायिक कार्य से प्राप्त होने वाली संतुष्टि से है जो व्यक्ति को उसके मौलिक एवं प्राकृतिक अवस्थाओं से मिलती है।

समस्या कथन (Statement of the Problem)

प्रस्तुत शोध अध्ययन सहारनपुर मंडल के शारीरिक शिक्षा अनुदेशक एवं गैर अनुदेशक जूनियर हाई स्कूल के बच्चों की खेल उपलब्धियां, खेल संसाधन एवं अनुदेशकों की कार्य संतुष्टि:एक अध्ययन पर किया गया है।

अध्ययन का उद्देश्य

1. सहारनपुर मंडल के जूनियर हाई स्कूल के विद्यार्थियों की खेल उपलब्धियां देखना।

2. सहारनपुर मंडल स्थित जूनियर हाई स्कूलों में उपलब्ध खेल संसाधनों की जानकारी प्राप्त करना।

3. सहारनपुर मंडल के जूनियर हाई स्कूलों में कार्यरत शारीरिक शिक्षा अनुदेशकों की कार्य संतुष्टि का अध्ययन करना।

4. शारीरिक शिक्षा विषय की उपेक्षा पर राज्य सरकार का ध्यान आकर्षित कराना।

5. मजबूत एवं स्वस्थ व्यक्तित्व विकास हेतु सरकार को सुझाव प्रदान करना।

परिकल्पना (Hypothesis)

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

1. सहारनपुर मंडल के अनुदेशक एवं गैर अनुदेशक विद्यालयों के विद्यार्थियों की खेल उपलब्धियों में संभवत: कोई अंतर नहीं पाया जाएगा।

2. सहारनपुर मंडल के शारीरिक शिक्षा अनुदेशक एवं गैर अनुदेशक वाले जूनियर हाई स्कूलों में उपलब्ध खेल संसाधनों के मध्य संभवत: कोई अंतर नहीं पाया जाएगा।

3. सहारनपुर मंडल के जूनियर हाई स्कूलों में कार्यरत पुरुष एवं महिला अनुदेशकों की कार्य संतुष्टि के मध्य संभवत: कोई अंतर नहीं पाया जाएगा।

4. सहारनपुर मंडल के जूनियर हाई स्कूलों में कार्यरत महिला अनुदेशकों की कार्य संतुष्टि स्कोर संभवत: पुरुष अनुदेशकों से अधिक होगा।

अध्ययन का महत्व (Significance of the study)

1. शोध द्वारा प्रयुक्त चरों का उपयोग आगामी योजनाओं के क्रियान्वयन में सहायक सिद्ध हो सकता है।

2. यह अध्ययन उच्च प्राथमिक विद्यालयों में खेलों के लिए बुनियादी ढांचे और सुविधाएं जानने तथा सुधारने में सहायक होगा।

3. प्रस्तुत शोध अध्ययन के परिणाम विद्यालयों में प्रचलित शारीरिक शिक्षा प्रणाली एवं खेल गतिविधियों के कार्यक्रम में परिवर्तन की सिफारिश करता हैं।

4. यह अध्ययन शारीरिक शिक्षा और खेल को लोकप्रिय बनाने में सहायक सिद्ध हो सकता है।

5. यह अध्ययन बीपीएड डिग्री धारकों को रोजगारपरक एवं अधिक कार्यकुशल बनाने में सहायक सिद्ध हो सकता है।

शोध समस्या का सीमांकन

1. बच्चों का खानपान एवं दैनिक क्रियाकलाप।
2. बच्चों का पूर्व प्रशिक्षण।
3. बच्चों का सामाजिक एवं आर्थिक आधार।
4. शारीरिक शिक्षा अनुदेशकों का सामाजिक एवं आर्थिक आधार।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

5. अनुदेशकों की आयु एवं स्वास्थ्य।

6. अनुदेशकों की अपने कार्य प्रति निष्ठा।

शोध समस्या की परिसीमाएं

1. सहारनपुर मंडल के शारीरिक शिक्षा अनुदेशक वाले समस्त परिषदीय जूनियर हाई स्कूल । [नोट -जूनियर हाई स्कूल से अभिप्राय परिषदीय स्कूलों से है जिन्हे अब एक नाम 'उच्च प्राथमिक विधालय' के नाम से जाना जाएगा (E jagran,2020)]

2. खेल उपलब्धियां के अंतर्गत मंडलीय स्तर पर प्रतिभागी छात्र-छात्राएं।

3. चर के रूप में खेल उपलब्धियां परिसीमाओं के अंतर्गत हैं।

4. खेल संसाधन इस शोध की परिसीमा है।

5. अनुदेशकों की कार्य संतुष्टि।

साहित्य अध्ययन

समाचार पत्र, पुस्तकें, पत्रिकाएं,शोध ग्रंथ, शोध पत्र इत्यादि।

शोध विषय का चयन (Selection of research problem)

प्रस्तुत शोध अध्ययन शीर्षक सहारनपुर मंडल के शारीरिक शिक्षा अनुदेशक एवं गैर अनुदेशक जूनियर हाई स्कूल के बच्चों की खेल उपलब्धियां, खेल संसाधन एवं अनुदेशको की कार्य संतुष्टि:एक अध्ययन हेतु विषयों के चयन हेतु सरल यादृच्छिक नमूनाकरण विधि (Simple random sampling) का उपयोग करते हुए किया गया है । शोध के लिए प्रयुक्त चर निम्न प्रकार है -

1.खेल उपलब्धियां (Sports Achievements)

सहारनपुर मंडल के जूनियर हाई स्कूलों के बच्चों का मंडल स्तर खेलों में प्रतिभाग का खेल उपलब्धि संबंधी विवरण उपलब्ध अभिलेख विवेचना के आधार पर करना।

2.खेल संसाधन (Sports Resources)

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

प्रश्नावली - Man-made Questionnaire constructed by Dr. Priyanka Singh, Department of Physical Education, Banasthali University Rajsthan 2013 Questionnaire for facilities and infrastructure available (profile of the school)

3.अनुदेशक कार्य संतुष्टि (Job Satisfaction)

प्रश्नावली - Standardized questionnaire constructed by Dr. Meera Dixit for job satisfaction 1993

प्रयुक्त साख्यिकी विधियाँ

शोध आंकड़ों के निष्कर्ष हेतु 'खेल उपलब्धियों' एवं 'शारीरिक शिक्षा अनुदेशकों की कार्य संतुष्टि' हेतु **'स्वतन्त्र-टी परीक्षण'** का प्रयोग किया गया है जिसका सार्थकता स्तर .05 स्तर निर्धारित किया गया। 'खेल संसाधनो' के बारे में जानकारी के लिए वर्णनात्मक साख्यिकी अर्थात **'आवृति और प्रतिशत'** एवं **'काई-स्क्वायर'** का उपयोग शारीरिक शिक्षा अनुदेशक एवं गैर अनुदेशक स्कूलो के बीच खेल संसाधनों के महत्त्वपूर्ण अंतर का पता लगाने के लिए किया गया।

परिकल्पना परीक्षण

1. वर्तमान शोध में किए अध्ययन में अनुदेशक वाले स्कूलों के बच्चों की खेल उपलब्धियां गैर अनुदेशक स्कूलों के बच्चों की खेल उपलब्धियों से अधिक पाई गयी अतः शोध से प्राप्त आँकड़ें यह बताते है कि अनुदेशक नियुक्ति एवं गैर अनुदेशक वाले जूनियर हाई स्कूलों के बच्चों की खेल उपलब्धियों में सार्थक अंतर पाया गया। किए गये शोध के आधार पर यह परिकल्पना अस्वीकृत की गई।
2. वर्तमान शोध में किए अध्ययन के आधार पर केवल शारीरिक शिक्षा अनुदेशकों की उपस्थिति ओर उनके कार्यों के आधार पर संसाधनों के प्रयोग में सार्थक अंतर पाया गया। संसाधनों की दशा जो खेलों के लिए पर्याप्त नहीं है वह सभी स्कूलों मे एक जैसी पाई गई। किए गये शोध के आधार पर यह परिकल्पना स्वीकृत की गई।
3. वर्तमान शोध में किए अध्ययन के आधार पर पुरुष एवं महिला अनुदेशकों की कार्य संतुष्टि के मध्य सार्थक अंतर पाया गया। प्रस्तुत शोध के आधार पर यह परिकल्पना अस्वीकृत की गई।
4. वर्तमान शोध अध्ययन के निष्कर्ष से परिणाम निकलता है कि महिला अनुदेशकों का कार्य संतुष्टि स्कोर पुरुष अनुदेशकों से अधिक पाया गया जिसके आधार पर यह परिकल्पना स्वीकृत की गई।

निष्कर्ष- खेल उपलब्धियों, खेल संसाधनों एवं अनुदेशकों की कार्य संतुष्टि के परिणाम इस प्रकार है।

खेल उपलब्धियों से संबंधित परिणाम इस प्रकार है - वर्ष 2013 से 22-23 तक हुए मण्डल स्तर खेलों मे प्रतिभाग मे अनुदेशक वाले स्कूलों के खिलाडियों का माध्य 256.33 एवं मानक विचलन 33.73 तथा गैर-

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अनुदेशक स्कूलों से चयनित खिलाडियों का माध्य 80.67 व मानक विचलन 13.14 है। प्राप्त टी मान 11.88 df 10 पर .05 के सार्थकता स्तर पर होने के लिए पर्याप्त टी मान 2.26 से अधिक है जो दिखाता है कि अनुदेशक नियुक्त स्कूलों के बच्चों की खेल उपलब्धियां गैर अनुदेशक स्कूलों के बच्चों से अधिक है। प्राप्त परिणाम दर्शाता हैं कि अनुदेशक नियुक्त एवं गैर-अनुदेशक स्कूलों के बच्चों की खेल उपलब्धियों के मध्य सार्थक अंतर है।

खेल संसाधनों से संबंधित सुविधाओं के परिणाम इस प्रकार है –

(X^2=काई स्क्वायर)

आधारभूत विकास संरचना समिति X^2=38.62 एवं स्वास्थ्य शिक्षा प्रयोगशाला X^2=154.11 है जो .05 स्तर पर सार्थक होने के लिए पर्याप्त X^2=3.84 से ज्यादा है। प्राप्त परिणाम स्पष्ट करते है कि ये सुविधाएं अनुदेशक वाले स्कूलों में गैर अनुदेशक स्कूलों से अधिक है। प्रस्तुत शोध में प्राप्त आंकड़ों के निष्कर्ष के आधार पर इन सुविधाओं में अनुदेशक नियुक्ति एवं गैर अनुदेशक स्कूलों में सार्थक अन्तर पाया गया है।

एथलेटिक ट्रैक X^2=.51, बैडमिटन कोर्ट X^2=.00065, कबड्डी कोर्ट X^2=.0173, खो-खो मैदान X^2=1.796, टेबल-टेनिस X^2=.719, पर्याप्त उपकरणों की उपलब्धता X^2=1.401, खेल उपकरणों हेतु स्टोर रूम X^2=.114, स्टाफ उपलब्धता X^2=2.986, शारीरिक शिक्षा गतिविधियों एवं कक्षा शिक्षण अनुपात X^2=3.356 एवं आउटडोर खेल मैदान X^2=1.61 है जो .05 स्तर पर सार्थक होने के लिए पर्याप्त X^2=3.84 से कम है, प्रस्तुत शोध में प्राप्त आंकड़ों के निष्कर्ष के आधार पर पाया गया कि ये सुविधाएं अनुदेशक नियुक्ति एवं गैर अनुदेशक स्कूलों में लगभग एक समान है अत: निष्कर्ष निकलता है कि उपरोक्त खेल सुविधाओं में दोनों प्रकार के स्कूलों के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया है।

सांख्यकी के आधार पर प्राप्त आंकड़ों से हम देखते है कि स्कूलों में स्विमिंग पूल की उपलब्धता X^2=∞, बहुद्देशीय व्यायाम शाला X^2=∞ एवं रख रखाव हेतु ग्राउन्ड मैन X^2=∞ जो .05 स्तर पर सार्थक होने के लिए पर्याप्त X^2=3.84 से कम है। प्रस्तुत शोध में प्राप्त आंकड़ों के निष्कर्ष के आधार पर पाया गया कि ये सुविधाएं अनुदेशक नियुक्ति एवं गैर अनुदेशक स्कूलों में उपलब्ध ही नहीं है। अत: निष्कर्ष निकलता है कि उपरोक्त खेल सुविधाओं में दोनों प्रकार के स्कूलों के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया है।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

शारीरिक शिक्षा अनुदेशक नियुक्ति एवं गैर अनुदेशक स्कूलों के खेल संबंधित सुविधाओं से संबंधित परिणामों के आंकड़ों में शारीरिक शिक्षको की उपलब्धता X^2=350, शारीरिक शिक्षको की योग्यता मानक अनुरूप X^2=350, छात्रों हेतु शारीरिक स्वस्थता परीक्षण X^2=18.788, आयु वर्ग के अनुरूप खेल सुविधाएं उपलब्धता X^2=153.32, स्कूलों में शारीरिक शिक्षा कक्षाओं का सुचारू संचलन X^2=265.577, विद्यालय समय के अतिरिक्त बच्चों को खेल सुविधा उपलब्धता X^2=8.187, बच्चों एवं स्टाफ को एक साथ खेल गतिविधियाँ प्रदान करने की सुविधा X^2=74.90, बच्चों के लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजन उपलब्धता X^2=157.25, एक्स्ट्राम्यूरल एवं इंट्राम्यूरल प्रतियोगिता का आयोजन X^2=154.115, विधार्थियों के लिए खेल प्रदर्शन व्यवस्था परिणाम X^2=49.00, बच्चों के लिए नृत्य कार्यक्रम एवं लयबद्ध क्रियाओ की सुविधा X^2=187.300 एवं खेल दिवस एवं वार्षिक उत्सव मनाने पर X^2=90.647 पाया गया जो .05 स्तर पर सार्थक होने के लिए पर्याप्त X^2=3.84 से अधिक है। प्राप्त परिणाम स्पष्ट करते है कि ये सुविधाएं अनुदेशक वाले स्कूलों में गैर अनुदेशक स्कूलों से अधिक है। प्रस्तुत शोध में प्राप्त आंकड़ों के निष्कर्ष के आधार पर इन सुविधाओं में अनुदेशक नियुक्ति एवं गैर अनुदेशक स्कूलों में सार्थक अन्तर पाया गया है।

स्कूलों में छात्रों के लिए लिखित शारीरिक शिक्षा पाठ्यक्रम X^2=∞, बच्चों से खेल की फीस लेने पर X^2=∞, स्कूल की गर्मी की छुट्टी के दौरान विशेष कोचिंग कार्यक्रम X^2=∞ एवं स्कूलो मे खेल-कूद संचालन हेतु निजी एजेंसी X^2=∞ पाया गया। प्रस्तुत शोध में प्राप्त आंकड़ों के निष्कर्ष के आधार पर पाया गया कि इन सुविधाओं में से शारीरिक शिक्षा पाठ्यक्रम सभी स्कूलों में समान रूप से लागू है तथा अन्य तीनों का अभाव दोनों ही प्रकार के स्कूलों में पाया गया ये सुविधाएं अनुदेशक नियुक्ति एवं गैर अनुदेशक स्कूलों में उपलब्ध ही नहीं है। अत: निष्कर्ष निकलता है कि उपरोक्त खेल सुविधाओं में दोनों प्रकार के स्कूलों के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया है।

शारीरिक शिक्षा अनुदेशक नियुक्ति एवं गैर अनुदेशक स्कूलों में वित्त और बजट सम्बन्धी सुविधाओं के परिणामो के आंकडो में खेलो के लिए पर्याप्त बजट पर्याप्तता पर X^2 =16.6667 पाया गया जो सार्थकता स्तर .05 पर पर्याप्त X^2=3.84 से अधिक पाया गया। प्रस्तुत शोध में प्राप्त आंकड़ों के निष्कर्ष के आधार पर पाया गया कि खेलो के लिए पर्याप्त बजट पर्याप्तता पर गैर अनुदेशक स्कूलों ने अधिक संख्या में हाँ में प्रति-उत्तर दिया। प्रस्तुत शोध में प्राप्त आंकड़ों के निष्कर्ष के आधार पर इन सुविधाओं में गैर अनुदेशक एवं अनुदेशक नियुक्ति स्कूलों में सार्थक अन्तर पाया गया है।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

शारीरिक शिक्षा के लिए वार्षिक बजट उपलब्धता पर $X^2=\infty$, बाहरी किसी स्रोत से आय पर $x2=\infty$, स्पेशल प्रोग्राम के लिए तदर्थ अनुदान पर $X^2=\infty$ एवं मानकों के अनुरूप शिक्षको को वेतन देने पर $X^2=\infty$ पाया गया। प्रस्तुत शोध में प्राप्त आंकड़ों के निष्कर्ष के आधार पर पाया गया कि इन सुविधाओं में से शारीरिक शिक्षा के लिए वार्षिक बजट उपलब्धता एवं मानकों के अनुरूप शिक्षको को वेतन देना दोनों प्रकार के स्कूलों में शत- प्रतिशत पाया गया। बाहरी किसी स्रोत से आय पर एवं स्पेशल प्रोग्राम के लिए तदर्थ अनुदान पर दोनों प्रकार के स्कूलों में अनुपलब्धता पायी गयी। अत: निष्कर्ष निकलता है कि अनुदेशक नियुक्ति एवं गैर अनुदेशक स्कूलों में उपरोक्त खेल सुविधाओं में दोनों प्रकार के स्कूलों के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया है।

अनुदेशकों की कार्य संतुष्टि-

सहारनपुर मण्डल की महिला अनुदेशकों एवं पुरुष अनुदेशकों से प्राप्त कार्य संतुष्टि के आंकड़ों का माध्य 156.44 एवं मानक विचलन 22.707 है। पुरुष अनुदेशकों की कार्य संतुष्टि का माध्य 128.96 एवं मानक विचलन 12.384 है। आंकड़ों से प्राप्त टी मान 7.6666 df 102 पर .05 के सार्थकता स्तर पर होने के लिए पर्याप्त टी मान 1.962 से अधिक है।

प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण के पश्चात प्राप्त परिणाम यह दर्शाते है कि महिला अनुदेशक पुरुष अनुदेशकों से अधिक संतुष्ट पायी गयी। महिला अनुदेशकों एवं पुरुष अनुदेशकों की कार्य संतुष्टि के मध्य सार्थक अंतर पाया गया है।

भविष्य के अनुसंधानों के लिए सुझाव एवं सिफ़ारिशे:

शोध अध्ययन के परिणाम एवं निष्कर्ष अन्य भविष्य मे आने वाले शोध अध्ययनों के लिए अति महत्त्वपूर्ण हो जाते है। नये शोध अध्ययन, पूर्व शोध अध्ययन के सुझावो को स्वीकार कर अपने अध्ययन को क्रमबद्ध तरीके से करते हैं।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

शोधार्थी द्वारा किये गये इस शोध अध्ययन के परिणाम व निष्कर्ष से भविष्य के शोध अध्ययन के लिए सुझाव एवं सिफारिशें इस प्रकार है-

- बच्चो की खेल उपलब्धियों को प्रदेश/ राष्ट्रीय स्तर देखा जा सकता है।
- सरकारी एवं निजी स्कूलों के बच्चो की खेल उपलब्धियों पर अध्ययन किया जा सकता है।
- महिला अनुदेशको के स्कूलों में बच्चों की खेल उपलब्धियां एवं पुरुष अनुदेशको के स्कूलों में बच्चो की खेल उपलब्धियों में अंतर पर शोध किया जा सकता है।
- जूनियर हाईस्कूलों के बालक एवं बालिकाओं का खेल उपलब्धियों में अन्तर पर शोध किया जा सकता है।
- खेल संसाधनों को केवल परिषदीय जूनियर हाईस्कूलो में न देखकर सभी प्रकार के जूनियर हाईस्कूलों मे देखा जा सकता है।
- सरकारी एवं निजी विद्यालयो मे खेल संसाधनों की उपलब्धता पर शोध किया जा सकता है।
- समान काम के लिए समान वेतन के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालयो में कार्यरत शिक्षा मित्रो की कार्य सन्तुष्टि पर अध्ययन किया जा सकता है।
- सरकारी एवं निजी स्कूलों मे कार्यरत शिक्षको की कार्य संतुष्टि पर अध्ययन किया जा सकता है।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar